S-1091

Total Pages : 3 Roll No. .....

MASL-103

भारतीय दर्शन

MA Sanskrit (MASL)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. विशिष्टाद्वैत के अनुसार सृष्टि प्रक्रिया क्या है? विस्तृत विवेचन कीजिए।

2. द्वैत वेदांत दर्शन के अनुसार ज्ञान का स्वरूप क्या है और इसके साधन क्या हैं? विस्तृत व्याख्या कीजिए।

3. सांख्य दर्शन के अनुसार प्रकृति एवं पुरुष की सिद्धि पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

4. वेदांत दर्शन के अनुसार अनुबंध चतुष्ट्य की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

5. जैन दर्शन के अनुसार ज्ञानमीमांसा की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. न्याय दर्शन के प्रमाणों का वर्णन कीजिए।

2. सांख्यदर्शन के अनुसार सत्कार्यवाद की विवेचना कीजिए।

3. सांख्य दर्शन के अनुसार दुखत्रय की व्याख्या कीजिए।

4. विशिष्टद्वैत के अनुसार मोक्ष के उपाय क्या हैं?

5. द्वैत वेदांत दर्शन के अनुसार अनुमान प्रमाण क्या है?

6. द्वैतद्वैतवात के अनुसार कार्य कारण सम्बंध की व्याख्या कीजिए।

7. जननमरणकरणानां प्रतिनियमादयुगपत्प्रवृत्तेश्च
पुरुष बहुत्वं सिद्धं त्रैगुण्यविपर्ययाच्चैव।।
उपरोक्त कार्तिक की व्याख्या कीजिए।

8. वेदांत दर्शन के अनुसार ब्रह्म की व्याख्या कीजिए।